आरोप | तहसीलदार ने कार्यवाही का दिया आश्वासन

वन विभाग पर ग्रामीणों और स्कूल की जमीन कब्जाने के आरोप

नवभारत, लामता। बालाघाट जिला जहां 53 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र वनाच्छादित है, वहां आमतौर पर वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले सामने आते हैं। लेकिन उप तहसील लामता से सामने आया मामला पूरी तरह उलट तस्वीर पेश कर रहा है। आरोप है कि वन भूमि की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाला वन विभाग ही पिछले कई दशकों से ग्रामीणों और एक शासकीय विद्यालय की भूमि पर कब्जा जमाए बैठा है।

मामला बालाघाट तहसील अंतर्गत उप तहसील लामता के फॉरेस्ट डिपो क्षेत्र का है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी निजी भूमि और शासकीय संस्थान की जमीन को वन विभाग ने अपने अधीन दिखाकर वर्षों से कब्जे में रखा हुआ है। प्रभावित हितग्राहियों में मोतेगांव निवासी शोभूलाल पिता रामू दौने, सुखचंद (मधु) इनवाती, सोपा तेकाम तथा अन्य भू-स्वामी शामिल हैं, जिनकी जमीनें आज भी वन विभाग डिपो की सीमा में बताई जा रही हैं।

सबसे गंभीर मामला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लामता की भूमि का बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार विद्यालय प्रबंधन की जमीन पिछले लगभग 18 वर्षों से फॉरेस्ट डिपो के कब्जे में है, लेकिन आज तक उसे पृथक करने की कार्रवाई नहीं की गई। इससे विद्यालय के विकास और भविष्य की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने वर्षों से संबंधित विभागों और प्रशासन को आवेदन-निवेदन देकर अपनी जमीन वापस दिलाने की मांग की, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल आश्वासन ही मिला। उनका कहना है कि यदि कोई नागरिक वन भूमि पर अतिक्रमण करता है तो वन विभाग तत्काल कार्रवाई करता है, लेकिन जब आरोप विभाग पर ही लग रहे हैं तो मामले को वर्षों तक लंबित रखा गया।

मामले में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार आनंद असाटी की भूमि को वन विभाग और राजस्व विभाग की विशेष मेहरबानी से फॉरेस्ट डिपो की सीमा से अलग कर दिया गया, जिसके बाद वहां प्लॉटिंग का कार्य भी शुरू हो गया। ऐसे में स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब एक भूमि को अलग किया जा सकता है तो फिर विद्यालय और अन्य ग्रामीणों की जमीन को अब तक क्यों नहीं मुक्त कराया गया।

स्थिति तब बदली जब पीड़ित ग्रामीणों ने अपनी समस्या स्थानीय मीडिया के समक्ष रखी। मीडिया द्वारा मामला उजागर किए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया। उप तहसील लामता के तहसीलदार मयंक मिश्रा ने दस्तावेजों के प्रारंभिक परीक्षण के आधार पर माना कि कुछ निजी भूमि फॉरेस्ट डिपो की सीमा में शामिल होना प्रतीत हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रभावित हितग्राही आवेदन प्रस्तुत करें, जिसके बाद विधिसम्मत जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि मीडिया हस्तक्षेप नहीं करता तो यह मामला भी सरकारी फाइलों में दबा रह जाता। अब उम्मीद की जा रही है कि प्रशासनिक जांच के बाद वन विभाग डिपो के कब्जे में बताई जा रही कई एकड़ भूमि वास्तविक भू-स्वामियों और विद्यालय प्रबंधन को वापस मिल सकेगी।

अधिकारियों ने कार्रवाई क्यों नहीं की?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि भूमि वास्तव में ग्रामीणों और विद्यालय की है, तो आखिर पांच दशकों तक विभाग ने उस पर कब्जा कैसे बनाए रखा? शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने कार्रवाई क्यों नहीं की? और क्या इस पूरे मामले में विभागीय लापरवाही से अधिक कुछ और भी छिपा है?

सड़क निर्माण की आड़ में जमीन घोटाले की निष्पक्ष जांच हो : अग्रवाल

नवभारत, लालबर्रा। पूर्व महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी मनोहर अग्रवाल द्वारा प्रदेश में सामने आ रहे कथित भूमि घोटालों को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि जिस प्रकार उज्जैन में विकास योजनाओं की आड़ में जमीनों की खरीद-फरोख्त को लेकर सवाल उठे हैं, उसी प्रकार बालाघाट जिले में भी नेशनल हाईवे क्रमांक 543 के निर्माण से पहले बड़े पैमाने पर जमीन खरीदने के मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए।

मनोहर अग्रवाल ने आरोप लगाया कि शहडोल, मंडला, नैनपुर, लामता, बालाघाट, गोंदिया होते हुए ब्रह्मपुरी तक प्रस्तावित नेशनल हाईवे क्रमांक 543 के संभावित मार्ग की जानकारी कुछ प्रभावशाली लोगों को पहले से उपलब्ध थी। इसी का लाभ उठाते हुए वर्ष 2018 से सड़क के दोनों ओर हजारों एकड़ जमीन की खरीदारी की गई। उन्होंने दावा किया कि इस पूरे प्रकरण में तत्कालीन सत्ता से जुड़े प्रभावशाली व्यक्तियों, उनके परिजनों और करीबी लोगों को आर्थिक लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया।

उन्होंने कहा कि जिस समय जमीनों की खरीद की जा रही थी, उस दौरान परियोजना से जुड़े अनेक आवश्यक पहलू लंबित थे। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई थी, वन विभाग की स्वीकृतियां प्राप्त नहीं हुई थीं तथा तकनीकी एवं वित्तीय मंजूरी को लेकर भी कई प्रश्न बने हुए थे। इसके बावजूद सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता देकर तेजी से आगे बढ़ाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस जल्दबाजी के पीछे जनहित नहीं बल्कि कुछ लोगों के निजी हित जुड़े हुए थे।

मनोहर अग्रवाल ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान गुणवत्ता और प्रक्रियागत पारदर्शिता को लेकर भी कई सवाल उठे, लेकिन सरकार ने इन शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य जनता को सुविधा देना होना चाहिए, न कि सत्ता से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ पहुंचाना।

उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश और देश में विकास तथा आस्था के नाम पर लगातार भ्रष्टाचार और संसाधनों की बंदरबांट के आरोप सामने आ रहे हैं। बालाघाट में सड़क निर्माण परियोजना से जुड़े भूमि खरीद मामलों की न्यायिक अथवा उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए, ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके और यदि किसी ने अपने पद या प्रभाव का दुरुपयोग किया है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

मनोहर अग्रवाल ने मांग की कि हाईवे परियोजना से जुड़े सभी भूमि क्रय-विक्रय दस्तावेज, संबंधित व्यक्तियों के नाम, खरीद की तिथियां और वर्तमान बाजार मूल्य की जांच सार्वजनिक रूप से कराई जाए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि कहीं सरकारी जानकारी का दुरुपयोग कर निजी लाभ तो नहीं कमाया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनहित के इस मुद्दे को मजबूती से उठाती रहेगी और पारदर्शिता के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

28 जून को जिलेभर में चलेगा सघन पल्स पोलियो अभियान

बालाघाट। पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को सशक्त बनाने के लिए बालाघाट जिले में आगामी 28 जून 2026, रविवार को सघन पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत जन्म से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो निरोधक दवा की दो बूंद खुराक पिलाई जाएगी। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाने की अपील की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि जिले में इस अभियान के अंतर्गत 1 लाख 77 हजार 56 बच्चों को पोलियो निरोधक दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डॉ. उपलप ने बताया कि जन्म से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जिलेभर में 1792 पोलियो बूथ एवं टीकाकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं।

अल नीनो के संभावित प्रभाव को देखते हुए किसान कम पानी वाली फसलों को अपनाएं : कृषि विभाग

बालाघाट। मध्यप्रदेश में इस वर्ष अल नीनो के संभावित प्रभाव के कारण मानसून की वर्षा सामान्य से कम अथवा अनियमित रहने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ऐसी परिस्थितियों में किसानों को खरीफ फसलों का चयन उपलब्ध जल संसाधनों को ध्यान में रखते हुए करने की सलाह दी गई है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने किसानों से कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को अपनाने और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों का उपयोग कर मौसम संबंधी जोखिम को कम करने का आग्रह किया है।

उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, बालाघाट श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि अनिश्चित एवं कम वर्षा की स्थिति में अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलों की तुलना में अरहर, मूंग, उड़द, सोयाबीन, तिल, मूंगफली, कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार एवं बाजरा जैसी फसलें किसानों के लिए अधिक लाभकारी साबित हो सकती हैं। ये फसलें अपेक्षाकृत कम पानी में भी बेहतर उत्पादन देने में सक्षम हैं तथा विपरीत मौसम परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता रखती हैं।

कृषि विभाग ने किसानों को खेतों में वर्षा जल संरक्षण के लिए मेड़बंदी, कंटूर बंडिंग एवं जल संग्रहण संरचनाओं का उपयोग करने की सलाह दी है।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड रैंकिंग में बालाघाट का शानदार प्रदर्शन

नवभारत, बालाघाट। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड की जिला स्तरीय रैंकिंग में बालाघाट जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

जारी रैंकिंग के अनुसार अप्रैल 2026 माह में बालाघाट जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस माह की रैंकिंग में झाबुआ जिले को द्वितीय एवं हरदा जिले को तृतीय स्थान मिला। वहीं मई 2026 की रैंकिंग में झाबुआ जिला प्रथम, मंदसौर जिला द्वितीय तथा बालाघाट जिला तृतीय स्थान पर रहा। लगातार दो माह तक प्रदेश के शीर्ष तीन जिलों में स्थान बनाकर बालाघाट ने किसान कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया है।

इस उपलब्धि पर संबंधित जिलों के कलेक्टरों एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी गई है। अधिकारियों ने इसे किसानों के हित में संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, समन्वित प्रयासों और मैदानी स्तर पर किए गए कार्यों का परिणाम बताया है।

किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रदेश के जिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बना हुआ है। इसी क्रम में आगामी जून 2026 माह की रैंकिंग के लिए सभी जिलों को शुभकामनाएं दी गई हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि आने वाले महीनों में भी बालाघाट जिला उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए किसानों के हित में संचालित योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारेगा।

पिता का सपना, बेटे की मेहनत और सफलता की मिसाल

गांव के वेदप्रकाश बने खाद्य सुरक्षा अधिकारी

नवभारत, लांजी। कहते हैं कि सपने वही सच होते हैं, जिनके लिए दिन-रात मेहनत की जाए और असफलताओं के बावजूद कदम न रुकें। बालाघाट जिले के लांजी विकासखंड के छोटे से गांव बिरनपुर के युवा वेदप्रकाश नागपुरे ने इस कहावत को सच साबित कर दिखाया है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की खाद्य सुरक्षा अधिकारी-2025 परीक्षा में सफलता हासिल कर उन्होंने न केवल अपने पिता का सपना पूरा किया, बल्कि पूरे जिले का नाम भी गौरवान्वित किया है।

वेदप्रकाश की प्रारंभिक शिक्षा ग्राम बिरनपुर की प्राथमिक शाला से शुरू हुई। इसके बाद उन्होंने लांजी, सावरी खुर्द और सरस्वती शिशु मंदिर में अध्ययन किया। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने सतना स्थित एकेएस विश्वविद्यालय से बी.टेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। शिक्षा पूरी होने के बाद उनके मन में प्रशासनिक सेवा में जाने का सपना था। इसी लक्ष्य को लेकर वर्ष 2022 में वे इंदौर पहुंचे और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। यह सफर आसान नहीं था। लगातार पढ़ाई, सीमित संसाधन और प्रतियोगी माहौल के बीच उन्होंने तीन बार मेन्स परीक्षा लिखी। कई बार सफलता करीब आकर भी दूर चली गई, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

वेदप्रकाश के लिए सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब वर्ष 2024 में निकली खाद्य सुरक्षा अधिकारी भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2025 में निरस्त हो गई। लंबे इंतजार और कठिन परिश्रम के बाद आई इस खबर ने उन्हें निराश जरूर किया, लेकिन उन्होंने अपने लक्ष्य से नजर नहीं हटाई। वे फिर से पूरी ऊर्जा के साथ तैयारी में जुट गए। उनका विश्वास था कि मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। आखिरकार उनका यह विश्वास सच साबित हुआ और उन्होंने एमपीपीएससी खाद्य सुरक्षा अधिकारी परीक्षा में सफलता हासिल कर ली।

वेदप्रकाश बताते हैं कि अगस्त 2022 में जब वे गांव से इंदौर के लिए निकले थे, तब उनके पिता ने सिर्फ एक बात कही थी— 'बेटा, अब सफल होकर ही लौटना।' पिता के इन शब्दों ने उनके भीतर एक ऐसी ऊर्जा भर दी, जो हर कठिन समय में उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही। वेदप्रकाश कहते हैं कि उनके पिता ने जीवनभर संघर्ष किया, लेकिन कभी उन्हें किसी चीज की कमी महसूस नहीं होने दी। यही कारण है कि उनकी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय उनके माता-पिता को जाता है।

क्रॉस वोटिंग के चलते जनपद कार्यवाहक अध्यक्ष चुनाव जीती भाजपा

नवभारत,खैरलाँजी। जानकारी अनुसार जनपद पंचायत खैरलाँजी के 2022 में जनपद अध्यक्ष का मुख्य निर्वाचन चुनाव में चार प्रत्याशियों ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन भरे थे जिसमें भाजपा समर्थित प्रत्याशी खुशबू गिरीश बिसेन को 6 मत मिले तो वही कांग्रेस समर्थीत प्रत्याशी खिलेश्वरी बिसेन को 3 मत मिले तथा निर्दलीय प्रत्याशी आशु गुनाराम बघेले को 10 मत एवं रितु योगेश सुलकिया को 5 मत मिले जिसमें निर्दलीय प्रत्याशी आशु गुनाराम बघेले ने 4 मत अधिक लेकर जीत हासिल कर जनपद अध्यक्ष की कुर्सी पर अपना कब्जा जमाया और लगभग 4 वर्ष तक जनपद अध्यक्ष पद का कार्यभार सभाला किन्तु जनपद अध्यक्ष आशु गुनाराम बघेले को अध्यक्ष पद से माननीय न्यायालय के द्वारा महाराष्ट्र के जाति प्रमाण पत्र को लेकर माननीय न्यालय ने कलेक्टर को पुन: विचार के लिए आदेश किया कलेक्टर महोदय द्वारा आशु गुनाराम बघेले को जनपद सदस्य एंव जनपद अध्यक्ष

पद से निर्वाचन शुन्य घोषित किया था। वर्तमान मे आशु गुनाराम बघेले, खिलेश्वरी बिसेन एवं रितु योगेश सुलकिया तीनो कांग्रेस पार्टी के सक्रिय सदस्य है एवं इन्हीं तीनों के गटजोड़ से कांग्रेस पार्टी ने रितु योगेश सुलकिया को कार्यवाहक अध्यक्ष चुनाव का प्रत्याशी घोषित किया तो वही दूसरी ओर भाजपा ने खुशबू गिरीश बिसेन को पुन: अपना प्रत्याशी घोषित किया।

दिनांक 18 जून को जनपद पंचायत खैरलांजी में कार्यवाहक अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी ने 14 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की वहीं कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को मात्र 8 मत ही प्राप्त हुए। चुनाव से पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि इस कार्यवाहक जनपद अध्यक्ष चुनाव मे पिछले मुख्य चुनाव के आधार पर कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को 15-16 मत मिल सकते है किन्तु मात्र 8 मत ही मिल पाने वाले निर्णय ने सभी को हैरान कर दिया है। चुनावी परिणाम ने साफ स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस पार्टी के अंदर अनुशासन की कमी साफ तौर पर नजर आई। कई सदस्यों द्वारा पार्टी लाइन से हटकर क्रास मतदान करने की चर्चा क्षेत्र में जोरों पर है।

खास बात यह रही कि पूरे चुनाव के दौरान डीजे और आतिशबाजी के साथ रैली कांग्रेस के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष फेकन लाल दोहरे के घर तक गई इसके पश्चात रैली पूर्व जिला पंचायत सदस्य कांग्रेस नेता रामकुमार नागपुरे के कार्यालय पहुंची जहां कांग्रेस नेता रामकुमार नगपुरे को गुलाल लगाकर बधाई दी गई वहीं भाजपा प्रत्यासी को 14 मत मिलने के बाजूद विजय जुलुस मे 8 जनपद सदस्य दिखाई दिए यह साप दर्शाता है कि बाकि 6 जनपद सदस्य ने क्रास ओटिंग किया है।

प्रवेश उत्सव | एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में पौधरोपण कर दिया गया पर्यावरण का संदेश

प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर किया स्वागत

नवभारत, वारासिवनी। नगर के प्रसिद्व सांदीपनि विधालय मे आज प्रवेश उत्सव व एक पेड मां के नाम कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से शामिल होकर सांसद श्रीमती भारती पारधी,पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने नव - प्रवेशी विद्वार्थीयो का उत्साहवर्धन कर उनके मन मे सकरात्मक द्रष्टिकोण विकसीत किया। साथ ही विज्ञान के विषय मे उल्लेखनीय कार्यो से विधालय का नाम रोशन करने वाले विद्वार्थीयो को अतिथीयो ने सम्मानित भी किया।

प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीमती भारती पारधी सांसद, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में एक पेड़ माँ के नाम 'वृक्षारोपण' कर प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विवेक पटेल विधायक,कार्तिकेय जायसवाल एस.डी.एम.,शैलेन्द्र शेट्टी,डॉ यूवराज राहंगडाले प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय बालाघाट, अवधनारायण त्रिपाठी प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय लेण्डेझरी, विद्यार्थियों के पालक, समस्त स्टाफ उपस्थित रहें।

कार्यक्रम में सांसद, पूर्व मंत्री, विधायक द्वारा सर्वप्रथम बच्चों को तिलक लगाकर प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में स्वागत किया गया। तथा शासन की योजना के बारे में विद्यार्थियों एवं पालकों को अवगत कराया गया। जिसके अंतर्गत नवीन प्रवेशीत विद्यार्थियों को पुस्तक एवं यूनिफार्म का वितरण एवं साईकिल वितरण किया गया। तत्पश्चात् बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया तथा विद्यालय में उपलब्ध सामग्री, रसायन लेब, भौतिकी लेब, जीव विज्ञान लेब, लाईब्रेरी तथा कक्षाओं का निरीक्षण किया गया। संस्था के मेद्यावी छात्र कक्षा 10वीं एवं 12वीं तथा नासा टूर एवं विज्ञान मंथन इसरो यात्रा के मेद्यावी छात्रों को प्रमाण-पत्र एवं प्रशस्ती देकर सम्मानित किया गया।

उदबोधन के दौरान सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा की आज जो हस्तियां मंच पर विराजमान है वह सभी ग्रामीण स्तर पर मीडियम परिवारों से संघर्ष कर विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर पहुची है। विद्यार्थीगण भी अपने मोबाइल से कुछ समय दूरी बनाकर अध्ययन की दिशा में लक्ष्य के साथ मेहनत करेंगे,तो सफलता उनके भी कदम चूमेगी।

इस अवसर पर प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री ने कहा की पहले इस विधालय का नाम टिहलीबाई विधालय था। उस समय मे भी यह नाम प्रदेश मे द्वितीय स्थान पर रहा है। वही वर्तमान मे प्रदेश के 360 विधालय मे हमारा सांदीपनि विधालय सर्वश्रेष्ठ परिक्षा परिणाम देकर पुन नयी उपलब्धि हासिल कर रहा है। आज पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बाद मुख्यमंत्री डा मोहन यादव जी भी सांदीपनि विधालय मे सभी तरह की सुविधाये प्रदान कर विद्वार्थीयो के सर्वांगीण विकास की पहल कर रहे है। वारासिवनी के इस स्कूल मे 2360 बच्चो का दाखिल हो चुका है। अब हमारे बच्चो के उपर है की वह लक्ष्य का निर्धारण कर अपने सपनो का हर हाल मे पुरा करे।

संस्था प्रमुख हुमराज पटले प्राचार्य ने सांदीपनि की परिकल्पना, अवधारणा, विजन, मिशन से बच्चों को अवगत कराया तथा विद्यार्थियों को समय पर स्कूल आने पढ़ाई पर ध्यान देने, विद्यालय में अच्छा वातावरण उत्पन्न करने के बारे में बताया।

कार्यक्रम का मंच संचालन कमल टेम्भरे पुस्तकालय शिक्षक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन लखन रिनायत परीक्षा प्रभारी द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रवीण राणा, डेलेन्द्र मेश्राम, राम चौहान, शरद सोनी, किशोर गजभिये ,श्रीमती प्रतिमा भगत,श्रीमती आकांक्षा आस्वले ,अमित डोंगरे एवं समस्त स्टाफ, पालक एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

2025 मॉडल का झांसा देकर थमा दिया 2024 का ट्रैक्टर

किसान से धोखाधड़ी, जातिगत अपमान व जान से मारने की धमकी पर एफआईआर दर्ज

नवभारत कटंगी 23 जून। आरसी में 2025 मॉडल लिखवाकर दूंगा, अभिकर्ता के इस भरोसे पर पौनिया के किसान सुकचंद जगने ने ट्रैक्टर खरीदा, लेकिन हाथ लगा जुलाई 2024 में बना ट्रैक्टर। विरोध करने पर अभिकर्ता ने जातिगत गालियां दीं और रास्ते में रोककर जान से मारने की धमकी दे डाली।

8 मई 2025 को तिरोड़ी के पौनिया निवासी सुकचंद ने ग्राम कोहका के अभिकर्ता महेश राहंगडाले के

जरिए ट्रैक्टर लिया। ट्रैक्टर की बॉडी पर मैन्युफैक्चरिंग जुलाई 2024 लिखी थी। सुकचंद के टोकने पर महेश ने मौके पर आकर कहा 'चिंता मत करो, आरसी बुक में 2025 मॉडल ही चढ़ेगा।'

13 महीने का इंतजार, फिर टूटा भरोसा- आरसी के इंतजार में एक साल बीत गया। 15 जून 2026 को बालाघाट शोरूम से कॉल आया। अगले दिन 16 जून को सुकचंद आरसी लेने पहुंचे तो उसमें निर्माण वर्ष 2024 ही दर्ज था। शोरूम संचालक ने पल्ला झाड़ते हुए अभिकर्ता से बात करने को कहा।

फोन पर मुकरा, रास्ते में उलझा

सुकचंद ने महेश को बालाघाट बुलाया तो उसने आने से साफ इनकार कर दिया। 'कंपनी से बात करो' कहकर फोन काट दिया। भतीजे विशाल के साथ घर लौटते समय पावर हाउस के पास महेश सामने आ गया। आरोप है कि उसने जाति सूचक गालियां दीं, धक्का-मुक्की की और जान से खत्म करने की धमकी दी।

अब कानून करेगा फैसला - पीड़ित सुकचंद की शिकायत पर कटंगी पुलिस ने आरोपी महेश राहंगडाले के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। थाना प्रभारी ने कहा कि मामला गंभीर है। आरसी और बिल के दस्तावेज जब्त कर लिए गए हैं। आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। जातिगत अपमान का एंगल भी जांच में शामिल है।'

सुकचंद की पीड़ा- सालभर की कमाई लगाई थी। सोचा था नया ट्रैक्टर मिलेगा, खेती में मदद होगी। उल्टा बेइज्जती और धमकी मिली। सरकार से बस इंसाफ चाहिए।

जिला न्यायाधीश ने साप्ताहिक योग अभियान का किया समापन

नवभारत, बैहर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के प्रमुख संरक्षक के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में 15 जून 2026 से 21 जून 2026 तक मध्यप्रदेश की सम्पूर्ण जेलों में एक सप्ताह का राज्य व्यापी योग अभियान के अंतर्गत उपजेल बैहर में सामुहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के प्रमुख संरक्षक द्वारा 15 जून 2026 को प्रात: 07:30 बजे केन्द्रीय कारागार जबलपुर से इस योग अभियान का उद्धघाटन किया गया। दिनांक 15 जून 2026 से प्रतिदिन प्रात: 07:30 बजे से उपजेल बैहर के समस्त बंदियों द्वारा ऑनलाईन माध्यम से साप्ताहिक योग अभियान में भाग

लिया गया।

माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमान प्राणेश कुमार प्राण के निर्देशानुसार दिनांक 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्रीमान सुरेन्द्र सिंह गुर्जर, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश बैहर के द्वारा उपजेल बैहर में प्रात: 07:00 बजे से योग शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री जानकी प्रसाद बिसेन (योग शिक्षक) के द्वारा उपजेल बैहर में उपस्थित अधिकारीगण, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण एवं बंदियों को सामुहिक रूप से योग कराया गया।

जिला न्यायाधीश महोदय के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य उद्देश्य योग के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, तनाव कम करना, लोगों को प्रकृति से जोड़ना, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना और समुदायों को एकजुट करना है योग एक प्राचीन भारतीय पद्धति है जो हमारे शरीर और मन को जोड़ती है। विभिन्न आसनों और श्वास क्रिया के माध्यम से योग हमें स्वस्थ रहनेए बीमारियों से लड़ने और तनाव कम करने में मदद करता है। यह एकाग्रता और अनुशासन विकसित करता है। प्रतिदिन योग का अभ्यास करने से हमें स्वस्थ और सुखी जीवन जीने में मदद मिलती है। योग शिक्षक श्री बिसेन के द्वारा योग के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि योग मन और शरीर को एक साथ जोड़ने की क्रिया को योग कहा गया है। जब शरीर स्वस्थ होगा तभी हमारे शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है।